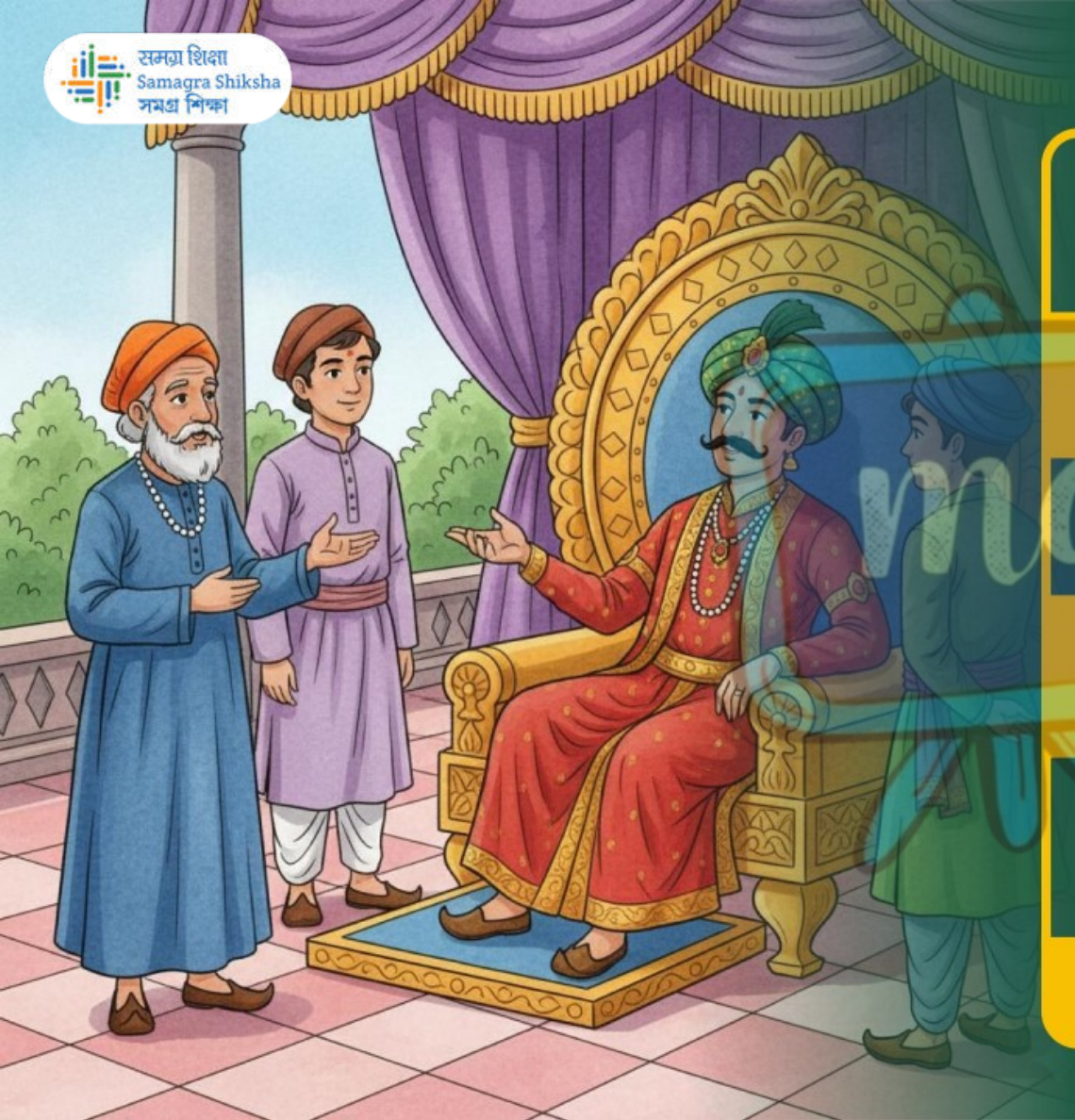


समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 2

परीक्षा

प्रेमचंद (1880-1936)

भाग – 3

अभ्यास-माला

कीर्ति बसुमतारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यासमाला

बोध एवं विचार

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर:

(क) 'परीक्षा' कहानी में किस पद के लिए परीक्षा ली गई है ?

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यासमाला

बोध एवं विचार

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर:

(क) 'परीक्षा' कहानी में किस पद के लिए परीक्षा ली गई है ?

उत्तरः- परीक्षा कहानी में दीवान पद के लिए परीक्षा ली गई है।

(ख) दीवान साहब के समक्ष क्या शर्त रखी गई?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) दीवान साहब के समक्ष क्या शर्त रखी गई?

उत्तरः- दीवान साहब के समक्ष यह शर्त रखी गई है कि रियासत देवगढ़ के लिए नया दीवान उन्ही को खोजना पडेगा।

(ग) ‘परीक्षा’ कहानी में उम्मीदवार कौन-सा सामूहिक खेल खेलते हैं?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) 'परीक्षा' कहानी में उम्मीदवार कौन-सा सामूहिक खेल खेलते हैं?

उत्तरः- 'परीक्षा' कहानी में उम्मीदवार हॉकी खेल खेलते हैं।

(घ) दीवान पद के लिए किसका चयन किया गया?



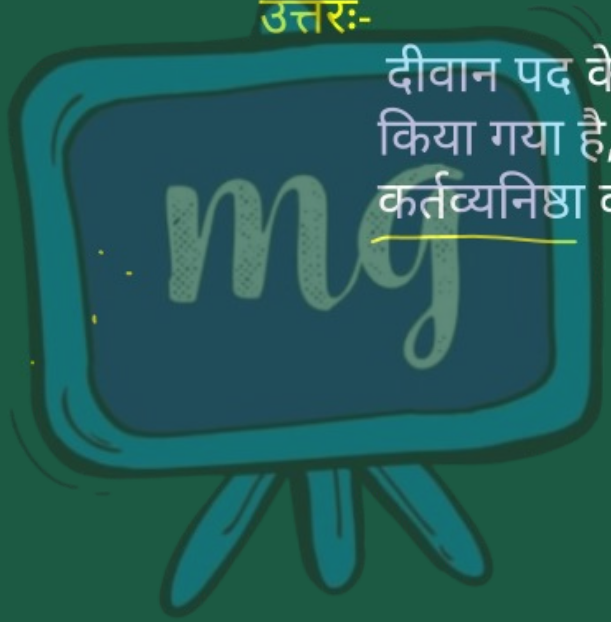
समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) दीवान पद के लिए किसका चयन किया गया?

उत्तरः-

दीवान पद के लिए पंडित जानकीनाथ का चयन किया गया है, क्योंकि उन्होंने दया, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया।



2. संक्षिप्त उत्तर (लगभग 25 शब्दों में):

(क) दीवान सुजानसिंह ने महाराज से क्या प्रार्थना की ? क्यों ?



2. संक्षिप्त उत्तर (लगभग 25 शब्दों में):

(क) दीवान सुजानसिंह ने महाराज से क्या प्रार्थना की ? क्यों ?

उत्तरः- दीवान सुजानसिंह ने महाराज से प्रार्थना की कि उन्हें दीवान पद से मुक्त कर दिया जाए, क्योंकि वे वृद्ध हो चुके थे और अब उनसे राजकाज नहीं संभाला जाता था।

(ख) उम्मीदवार विभिन्न प्रकार के अभिनय कैसे और क्यों कर रहे थे?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) उम्मीदवार विभिन्न प्रकार के अभिनय कैसे और क्यों कर रहे थे?

उत्तरः- उम्मीदवार विभिन्न प्रकार के अभिनय इसलिए कर रहे थे क्योंकि वे अपनी बाहरी योग्यताओं और गुणों का प्रदर्शन करके दीवान साहब को प्रभावित करना चाहते थे, ताकि उनका चयन हो सके।

(ग) एक उम्मीदवार ने गाड़ीवाले की मदद कैसे की ?



(ग) एक उम्मीदवार ने गाड़ीवाले की मदद कैसे की ?

उत्तरः- एक उम्मीदवार (जानकीनाथ) ने गाड़ीवाले की मदद तब की जब उसकी अनाज से भरी गाड़ी नाले में फंस गई थी। उसने गाड़ीवाले के साथ मिलकर पहियों के नीचे मिट्टी डाली, बैल को सहारा दिया और उसे बाहर निकाला।

(घ) किसान ने अपने मददगार युवक से क्या कहा ? उसका क्या अर्थ था ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) किसान ने अपने मददगार युवक से क्या कहा ? उसका क्या अर्थ था ?

उत्तरः- किसान ने अपने मददगार युवक से कहा, "नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी।" इसका अर्थ था कि युवक में मानवीय गुण हैं और ऐसे दयालु व्यक्ति ही दीवान पद के योग्य हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) सुजान सिंह ने उम्मीदवारो की परीक्षा कैसे ली?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) सुजान सिंह ने उम्मीदवारो की परीक्षा कैसे ली?

उत्तरः- सुजानसिंह ने उम्मीदवारों की परीक्षा के लिए उन्हें एक महीने तक अपने पास रखा और गुप्त रूप से उनके आचरण व व्यवहार का निरीक्षण किया। उन्होंने उम्मीदवारों के सामने ऐसी परिस्थितियाँ पैदा कीं जिनमें उनका असली चरित्र सामने आ सके। हॉकी मैच के बाद जब सभी उम्मीदवार थककर लौट रहे थे, तभी सुजानसिंह स्वयं एक किसान के भेष में अनाज से लदी बैलगाड़ी को नाले से निकालने में मदद माँगते हैं। इस घटना के दौरान जो उम्मीदवार मदद करता है, उसी को वे चुनते हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) पं. जानकी नाथ में कौन-कौन से गुण थे?



(च) पं. जानकी नाथ में कौन-कौन से गुण थे?

उत्तरः- पं. जानकीनाथ में अनेक गुण थे, जैसे-

- दयालु और उदार हृदय
- दूसरों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर (परोपकारी)
- साहसी और आत्मबल से परिपूर्ण
- चोट लगने के बावजूद कर्तव्यपरायणता दिखाना
- ईमानदारी और नैतिकता

(छ) सुजान सिंह के अनुसार दीवान में कौन-कौन गुण होने चाहिए?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(छ) सुजान सिंह के अनुसार दीवान में कौन-कौन गुण होने चाहिए?

उत्तरः- सुजानसिंह के मतानुसार, दीवान में केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र, दया, आत्मबल, और कर्तव्यपरायणता जैसे मानवीय गुण होने चाहिए, क्योंकि मनुष्य का चरित्र ही सबसे महत्वपूर्ण होता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. सप्रसंग व्याख्या करोः (लगभग 100 श ब्दों में)

(क) लेकिन, मनुष्य का वह बुढ़ा जौहरी-आड़ में बैठा हुआ देख रहा था कि इन बगुलों में हंस कहा छिपा है।

3. सप्रसंग व्याख्या करोः (लगभग 100 श ब्दों में)

(क) लेकिन, मनुष्य का वह बुढ़ा जौहरी-आड़ में बैठा हुआ देख रहा था कि इन बगुलों में हंस कहा छिपा है।

उत्तरः-

संदर्भः प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिंदी पाठ्यपुस्तक आलोक भाग-1 के अंतर्गत मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित कहानी 'परीक्षा' से ली गई है।

प्रसंग: सुजान सिंह दीवान पद के उम्मीदवारों के बीच ढूंढ रहा था कि दीवान पद के लायक उम्मीदवार कहाँ छिपा हैं।

व्याख्या : देवगढ़ में दीवान पद के लिए सुजान सिंह ने नए उम्मीदवारों को बुलाया था। उन्होंने दीवान पद का चयन करने के लिए एक महीने तक का वक्त लिया। इस एक महीने में उनके रहन-सहन आचार-विचार को परखने के बाद एक उम्मीदवार को दीवान पद के लिए चुना गया था।

तो सुजान सिंह उन उम्मीदवारों के क्रियाकलापों को ध्यान से दूर बैठे देखा करते थे और उनकी आँखें यह ढूंढा करती थी कि कौन है जो उस दीवान पद के लायक है।



(ख) "गहरे पानी में पैठने से मोती मिलता है।"



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) "गहरे पानी में पैठने से मोती मिलता है।"

उत्तरः- **संदर्भ:** प्रस्तुत पक्तियाँ प्रेमचन्द द्वारा रचित 'परीक्षा' शीर्षक पाठ से लिया गया है।

प्रसंग: प्रस्तुत पक्तियाँ सरदार सुजान सिंह के कथन है, जो मददकारी युवक से कहा गया था।

व्याख्याः युवक स्वयं जख्मी होकर भी नाले में फँसे किसान को मदद कर गाड़ी को नाले से ऊपर चढ़ाया। इस उपकार को स्वीकार करते हुए, किसान युवक के सामने हाथ जोड़कर खड़ा हो गया और बोला- 'आपने आज मुझे उबार लिया, नहीं तो सारी रात यही बैठना पड़ता।'

किसान की बाते सुनकर युवक ने मजाक में हँसकर बोला कि मुझे कुछ इनाम नही देंगे। तब किसान ने गंभीर भाव से कहा- 'नारायण चाहेंगे तो दीवानी आप को ही मिलेगी।' वह फिर मुस्काराकर बोला - "गहरे पानी में पैठने से मोती मिलता है।" क्योंकि मोती गहरे पानी अर्थात सागर में ही मिलता है। वहाँ पनडुब्बी सागर की गहराई में जाकर मोती प्राप्त करता है। वैसे ही जो लोग कर्म में निपुण होते, उसे फल प्राप्त होता है।

(ग) उन आँखों मे सत्कार था और इन आँखों मे ईर्ष्या ।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) उन आँखों मे सत्कार था और इन आँखों मे ईर्ष्या ।

उत्तरः- **सन्दर्भः** प्रस्तुत पक्तियाँ प्रेमचन्द द्वारा रचित 'परीक्षा' शीर्षक पाठ से लिया गया है।

प्रसंगः सरदार सुजान सिंह ने रियासत देवगढ़ के नए दीवान का नाम घोषित किया। इस घोषणा को सुनकर दरबार में जो स्थिति हुई उसका वर्णन लेखक ने किया है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

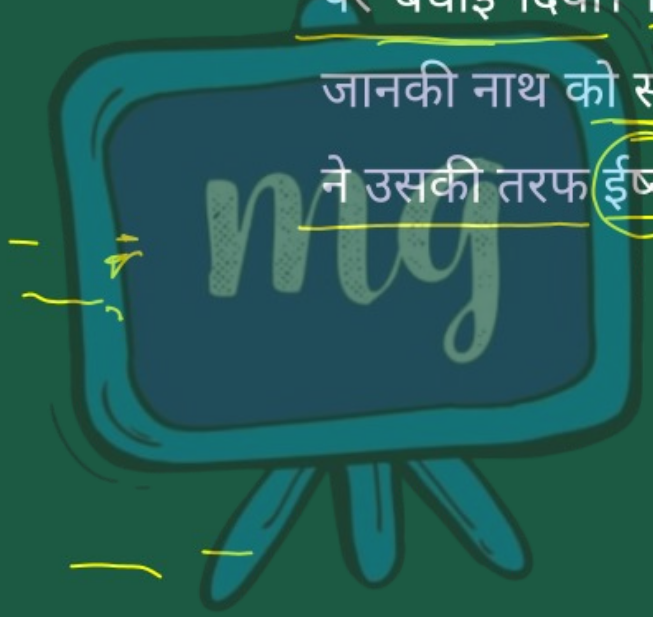
Under CSR Support by
ipca | Foundation

व्याख्याः चुनाव के दिन सुजान सिंह ने दरबार को सजाया। शहर के रईस, और धनाढ्य लोग, राजा के कर्मचारी, दरबारी और दीवान के उम्मीदवारो के समूह के सामने नया दीवान का एलान करने के लिए तैयार हुआ। सरदार सुजानसिंह ने खड़े होकर कहा- मुझे इस पद के लिए ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी, जिसके हृदय में दया, उदारता, आत्मबल और वीरता है। इस रियासत के सौभाग्य से हमको ऐसा पुरुष मिल गया। ऐसे गुण वाले संसार में कम होते हैं और जो हैं, वे कीर्ति और मान के शिखर पर बैठे हुए है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उन्होंने रियासत को पंडित जानकी नाथ सा दीवान पाने पर बधाई दिया। रियासत के कर्मचारी और रईसो ने पं जानकी नाथ को सत्कार से देखा और उम्मीदवारों के दल ने उसकी तरफ ईर्ष्या से देखा।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. किसने किससे कहा, लिखोः

(क) कही भूल चूक हो जाए तो बूढ़ापे में दाग लगे, सारी जिंदगी की नेकनामी मिट्टी में मिल जाए।



4. किसने किससे कहा, लिखोः

(क) कही भूल चूक हो जाए तो बूढ़ापे में दाग लगे, सारी जिंदगी की नेकनामी मिट्टी में मिल जाए।

उत्तरः- यह कथन सुजानसिंह ने राजा साहब से कहा था।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) मालूम होता है, तुम यहाँ बड़ी देर से फँसे हुए हो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) मालूम होता है, तुम यहाँ बड़ी देर से फँसे हुए हो।



उत्तरः- यह कथन युवक पंडित जानकीनाथ ने किसान रूपी सरदार सुजानसिंह से कहा है।

(ग) नारायण चाहेंगे तो दिवानी आपको ही मिलेगी।



(ग) नारायण चाहेंगे तो दिवानी आपको ही मिलेगी।

उत्तरः- किसान (सुजानसिंह) ने युवक (जानकीनाथ) से कहा।

